

प्रेषक,

हरिओम,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 28 मई, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु उद्योग विभाग के अधिष्ठान व्यय अन्तर्गत अवचनबद्ध मदों में व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 386/उ0नि0(दो)-बजट/आयोजनेत्तर/2009-10 दिनांक 29.4.2009 तथा शासनादेश संख्या: 205/XXVII(1)/2009 दिनांक 25 मार्च 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में उद्योग विभाग के अधिष्ठान व्यय अन्तर्गत अवचनबद्ध मदों में निम्न विवरणानुसार, कुल रूपये 13.15 लाख (रु० तेरह लाख पन्द्रह हजार मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

कोड/मद का नाम	आवृत्ति बजट (रु० हजार में)
04-यात्रा व्यय	167
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	67
07-मानदेय	25
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	83
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	333
16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के सिरे भुगतान	67
18-प्रकाशन	33
19-विज्ञापन	33
21-छात्रवृत्तियों और छात्रवैतन	8
25-लघु निर्माण कार्य	133
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण	33
42-अन्य व्यय	117
45-अवकाश यात्रा व्यय	83
46-कम्प्यूटर व्यय	83
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	50
कुल योग:	1315
(रु० तेरह लाख पन्द्रह हजार मात्र)	

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर शी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैन्युअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा तथा प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा। यदि नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं

किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत करा दिया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- उक्त धनराशि आपके द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावानुसार अवचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है व आपके निर्वहन पर इस आशय से रखी जा रही है कि अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैन्युअल/द्वितीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

5- अवचनबद्ध मदों में बजट आवंटन की सीमा में ही व्यय को सीमित रखा जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2010 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

6- व्यय करते समय तथा आवश्यक उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के प्राविधानों का अनुपालन किया जायेगा।

7- उपकरण/फर्नीचर आदि का क्रय डी०जी०एस०एण्ड डी० की दरों पर अथवा टेंडर/कुटेशन के नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

8- कंप्यूटर आदि का क्रय एन०आई०सी०/आई०टी० विभाग की संस्तुति से अथवा उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जायेगा।

9- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनेतर, 102-सधु उद्योग, 03-अधिधान व्यय-00 मद अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित प्राथमिक इकाईयों के नामे दाखल जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 86/XXVII(1)/2009 दिनांक: 22 मई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिओम)

संयुक्त सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 989/VII-II-09/69-उद्योग/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
3. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
5. उप निदेशक/नोडल अधिकारी बजट, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(हरिओम)

संयुक्त सचिव।